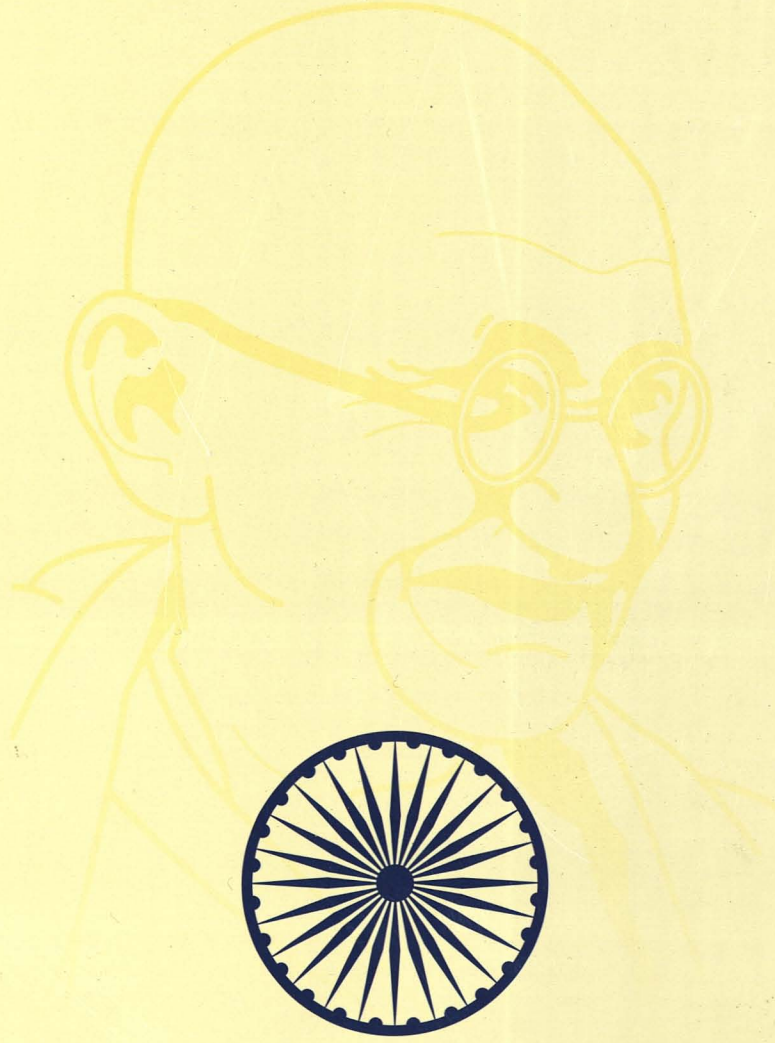




सत्यमेव जयते



70वीं गणतंत्र दिवस परेड 70th Republic Day Parade

26 जनवरी, 2019 (माघ 6 1940)
26 January, 2019 (6 Magha, 1940)





70वीं गणतंत्र दिवस परेड 70th Republic Day Parade

26 जनवरी, 2019 (माघ 6, 1940)
26 January, 2019 (6 Magha, 1940)

4

कार्यक्रम

Programme

0957 बजे

राष्ट्रपति का, मुख्य अतिथि, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के साथ राजकीय सम्मान सहित आगमन।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि की अगवानी।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि से रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, तीनों सेनाध्यक्षों तथा रक्षा सचिव का परिचय।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्य अतिथि का मंच की ओर प्रस्थान।

राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रपति के अंगरक्षक राष्ट्रीय सलामी देते हैं। बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुति तथा 21 तोपों की सलामी।

गणतंत्र दिवस परेड आरंभ होती है।

सांस्कृतिक झांकी।

मोटर साइकिलों पर करतब।

विमानों द्वारा सलामी।

राष्ट्रीय सलामी।

राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के साथ राजकीय सम्मान सहित प्रस्थान।

0957 hrs

The President, accompanied by the Chief Guest, the President of South Africa arrives in State.

The Prime Minister receives the President and the Chief Guest.

The Prime Minister presents to the President and the Chief Guest, Raksha Mantri, Raksha Rajya Mantri, the three Service Chiefs and Defence Secretary.

The President, the Prime Minister and the Chief Guest proceed to the rostrum.

The National Flag is unfurled and the President's Body Guard presents the National Salute. The Band plays the National Anthem and a 21-Gun Salute is fired.

The Republic Day Parade commences.

The Cultural Pageant.

Motor Cycle Display.

Fly Past.

National Salute.

The President, accompanied by the Chief Guest, departs in State.

परेड क्रम

हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा

परेड कमांडर

परेड उप-कमांडर

परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र पुरस्कार विजेता

सेना

सवार दस्ते

61 घुड़सवार दस्ता

मैकेनाइज्ड दस्ते

टैंक टी-90

बाल्बवे मशीन पिकेट (बीएमपी – II/II के)

सतह सुरंग हटाने की प्रणाली (एसएमसीएस)

155 एमएम/52 केलिबर ट्रेक्ड स्वचालित (एसपी) गन (के-9 वज्र)

155 एमएम/39 केलिबर एम777 ए2 यूएलएच

परिवहनीय सेटेलाइट टर्मिनल (टीएसटी)

ट्रूप लेवल रेडार

आकाश (02 लांचर)

उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों (एएलएच) द्वारा सलामी

The Order of March

Showering of flower petals by Helicopters

Parade Commander

Parade Second-in-Command

Param Vir Chakra and Ashoka Chakra Awardees

Army

Mounted Column

61 Cavalry

Mechanised Columns

Tank T-90

Ballway Machine Pikate(BMP-II/IIC)

Surface Mine Clearing System (SMCS)

155mm/52 Calibre Tracked Self-Propelled (SP) Gun (K-9 Vajra)

155 mm/39Calibre M777 A2 ULH

Transportable Satellite Terminal (TST)

Troop Level Radar

AKASH (02 Launchers)

Fly Past by Advanced Light Helicopters (ALH)

मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ियां

Marching Contingents

मद्रास रेजिमेन्ट केन्द्र

Madras Regimental Centre

सिख लाइट इन्फेन्ट्री रेजिमेन्ट केन्द्र : बैण्ड ध्वनी
महार रेजिमेन्ट केन्द्र "शंखनाद
लदाख स्काउट्स (तेज चाल)"

The Sikh Light Infantry- : Band playing
Regimental Centre "Sankhnaad
Mahar Regimental Centre (Quick March)"
Ladakh Scouts

राजपूताना राइफल्स केन्द्र

Rajputana Rifles Regimental Centre

सिख रेजिमेन्ट केन्द्र

Sikh Regimental Centre

जम्मू एवं कश्मीर लाइट इन्फेन्ट्री : बैण्ड ध्वनी
रेजिमेन्ट केन्द्र, "ध्रुव
बोम्बे इंजिनियर्स ग्रुप एवं केन्द्र, किर्की (तेज चाल)"
संख्या 1 सिग्नल्स प्रशिक्षण केन्द्र

Jammu & Kashmir Light Infantry : Band playing
Regimental Centre, "Dhruv
Bombay Engineers' Group & Centre, (Quick March)"
Kirkee No. 1 Signals Training Centre

गोरखा ब्रिगेड

Gorkha Brigade

सेना सर्विस कोर

Army Service Corps

सेना आपूर्ति कोर (उत्तर) : बैण्ड ध्वनी
सेना चिकित्सा कोर केन्द्र एवं कालेज "अरुण वैद्य महावीर
सेना पुलिस केन्द्र एवं स्कूल कोर (तेज चाल)"

Army Supply Corps (North) : Band Playing
Army Medical Corps Centre & College "Arun Vaidya
Corps of Military Police Centre & Mahavir
School (Quick March)"

प्रादेशिक सेना बटालियन
(102 इन्फेन्ट्री बटालियन (टीए), पंजाब)

Territorial Army Battalion
(102 Infantry Battalion (TA), Punjab)

भूतपूर्व सैनिकों की झांकी

Veteran Tableau

नौसेना

Navy

नौसेना ब्रास बैंड : बैंड ध्वनि 'जय भारती'

Naval Brass Band : Band playing
'Jai Bharati'

नौसेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

Navy Marching Contingent

झांकी

Tableau

(भारतीय नौसेना - मिशन पर तैनात एवं युद्धक रूप से तैयार)

(Indian Navy-Mission Deployed & Combat Ready)

वायु सेना

वायु सेना बैंड : बैंड ध्वनि 'अन्तरिक्ष यात्री तेज चाल'

वायु सेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

झांकी
(भारतीय वायु सेना भारतीय वायु सीमाओं की रक्षा करते हुए)

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल
(एमआरएसएएम)

अर्जुन कवचित रिकवरी और मरम्मत वाहन

आईएनए

आईएनए सैनानी

अर्ध-सैनिक एवं अन्य सहायक बल

असम राइफल्स की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: असम राइफल्स : बैंड ध्वनी 'असम राइफल्स के सिपाही देश की हमने शान बढ़ाई'

तटरक्षक बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: सीआरपीएफ : बैंड ध्वनि 'देश के हम हैं रक्षक'

सीआरपीएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: आरपीएफ : बैंड ध्वनि 'कदम-कदम बढ़ाए जा'

आरपीएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: दिल्ली पुलिस : बैंड ध्वनि 'दिल्ली पुलिस गान'

दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

सीमा सुरक्षा बल की ऊंट टुकड़ी

बैंड: सीमा सुरक्षा बल के ऊंट : बैंड ध्वनि 'हम हैं सीमा सुरक्षा बल'

Air Force

Air Force Band : Band playing 'Astronaut Quick March'

Air Force Marching Contingent

Tableau
(Indian Air Force Safeguarding the Indian Skies)

Defence Research & Development Organisation

Medium Range Surface to Air Missile (MRSAM)

Arjun Armoured Recovery and Repair Vehicle

INA

INA Veterans

Para-Military and other Auxiliary Forces

Assam Rifles Marching Contingent

Band: Assam Rifles : Band playing 'Assam Rifles Ke Sipahi Desh Ki Humne Shan Badayee'

Coast Guard Marching Contingent

Band: CRPF : Band Playing 'Desh Ke Hum Hain Rakshak'

CRPF Marching Contingent

Band: RPF : Band playing 'Kadam Kadam Badhaye Ja'

RPF Marching Contingent

Band: Delhi Police : Band playing 'Delhi Police Anthem'

Delhi Police Marching Contingent

BSF Camel Contingent

Band: BSF Camel : Band Playing 'Hum Hai Seema Suraksha Bal'

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी)

National Cadet Corps (NCC)

बैंड: छात्र (एनसीसी)

: बैंड ध्वनि
'कदम-कदम बढ़ाए
जा'

Band: Boys (NCC)

: Band playing
'Kadam Kadam
Badhayen Ja'

छात्रों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Boys Marching Contingent

बैंड: छात्राएं (एनसीसी)

: बैंड ध्वनि
'सारे जहां से अच्छा'

Band: Girls (NCC)

: Band playing
'Sare Jahan Se Achha'

छात्राओं की मार्च करती हुई टुकड़ी

Girls Marching Contingent

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस)

National Service Scheme (NSS)

सामूहिक पाइप एवं ड्रम बैंड

: तेज चाल:
केदार नाथ

Massed Pipes & Drums Bands

: Quick March:
'Kedar Nath'

राष्ट्रीय सेवा योजना की मार्च करती हुई टुकड़ी

National Service Scheme Marching Contingent

सांस्कृतिक प्रस्तुति

झाँकियां : बाईस

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2019

खुली जीपों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार
विजेता बच्चे

बच्चों की प्रस्तुति

स्कूली बच्चों के कार्यक्रम :

1. नौसेना बाल विद्यालय, चाणक्यपुरी, दिल्ली
2. पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (ईजेडसीसी), कोलकाता
3. राजकीय प्रतीभा विकास विद्यालय (आरपीवीवी), किशन गंज, नई दिल्ली
4. केन्द्रीय विद्यालय, पश्चिम विहार, नई दिल्ली

मोटर साइकिलों पर करतब

भारतीय सेना-सिग्नल-डेयरडेविल्स

विमानों द्वारा सलामी

(मौसम अनुकूल रहने पर)

1. **ध्वज आकृति** : 'विपरीत' वाई/वाइन ग्लास आकृति में राष्ट्रीय ध्वज और अपनी सेनाओं के ध्वजों सहित चार हेलिकॉप्टर्स (4x एमआई-17 वी5) आगे बढ़ते हुए।
2. **ध्रुव आकृति** : 'हीरे की आकृति' में दो अत्याधुनिक हल्के हेलिकॉप्टर्स एवं सेना विमान का 'रुद्र' नाम एएलएच के दो सशस्त्र हेलिकॉप्टर्स सहित ध्रुव आकृति में आगे बढ़ते हुए।
3. **रुद्र आकृति** : 'वीआईसी' आकृति में तीन एएलएच एमके IV डब्ल्यूएसआई हेलिकॉप्टर्स आगे बढ़ते हुए।

The Cultural Pageant

Tableaux : Twenty Two

Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2019

Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar Vijeta in
open Jeeps

Children's Pageant

School Children Items:

1. Navy Children School, Chankya Puri, Delhi
2. Eastern Zonal Cultural Centre (EZCC), Kolkata
3. Rajkiya Pratibha Vikash Vidyalaya (RPVV), Kishan Ganj, New Delhi
4. Kendriya Vidyalaya, Pashchim Vihar, New Delhi

Motor Cycle Display

Indian Army-Signals-Daredevils

Fly-Past

(If Weather Permits)

1. **Ensign Formation** : Four helicopters (4x Mi-17 V5) in 'inverted Y'/Wine Glass formation" carrying the national ensign and respective service ensigns.
2. **Dhruv Formation** : 'Dhruv' formation consisting of two Advanced Light Helicopters and two armed version of the ALH named 'RUDRA' of Army Aviation in 'Diamond Formation'.
3. **Rudra Formation** : Comprising three ALH Mk IV WSI helicopters flying in 'vic' formation.

4. **हरक्यूलिस आकृति:** 'वीआईसी' आकृति में तीन सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस एसी आगे बढ़ते हुए।
5. **सतलज आकृति :** 'वीआईसी' आकृति में एन-32 विमान आगे बढ़ते हुए।
6. **नेत्र आकृति :** नेत्र आकृति-आकाश में दृष्टि-अत्याधुनिक पूर्व चेतावनी रडार और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों के साथ वायुजनित पूर्व सूचना एवं नियंत्रण विमान हैं।
7. **ग्लोब आकृति :** इस आकृति में एक सी-17 ग्लोबमास्टर के दोनों तरफ भारतीय वायु सेना के एसयू-30 एमकेआई आगे बढ़ रहा है। इस आकृति के विमान 500 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं।
8. **जगुआर एरो हैड आकृति :** 780 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से एरोहेड आकृति में पांच गहन भेदन जगुआर विमान आगे बढ़ते हुए।
9. **फलक्रम एरो हेड आकृति :** पांच मिग-29 उन्नत विशिष्ट लड़ाकू विमान आगे बढ़ते हुए।
10. **त्रिशूल आकृति :** भारतीय वायु सेना के तीन एसयू-30 एमकेआई विमान त्रिशूल आकार में आगे बढ़ते हुए।
11. **फ्लैंकर (वर्टिकल चार्ली) :** 900 किलोमीटर प्रतिघण्टा की रफ्तार से आकाश को चीरते हुए वर्टिकल चार्ली के साथ सुखोई-30 एमकेआई विमान आते हुए।
4. **Hercules Formation :** Comprising of three C-130J Super Hercules ac flying in 'vic' formation.
5. **Sutlej Formation :** AN-32 aircraft flying in 'vic' formation.
6. **Netra Formation :** Netra Formation-Eye in the Sky- is an Airborne Early Warning and Control aircraft with state of art Early Warning radar and a host of advanced Electronic Warfare equipment.
7. **Globe Formation :** This formation comprises one C-17 Globemaster flanked by two SU-30 MKIs of the India Air Force. The Formation is flying at the speed of 500 kilometre per hour.
8. **Jaguar Arrow Head Formation :** Five Jaguar Deep penetration strike aircraft, in arrowhead formation at a speed of 780 Kilometre per hour.
9. **Fulcrum Arrow Head Formation :** Five MiG-29 Upgrade Air Superiority Fighters.
10. **Trishul Formation :** Trishul maneuver by three SU-30 MKIs of Indian Air Force.
11. **Flanker (Vertical Charlie) :** A lone SU-30 MKI flying at a speed of 900 kilometre per hour splits the sky with a 'Vertical Charlie'

गुब्बारों का छोड़ा जाना : भारत मौसम विज्ञान विभाग

Release of Balloons : India Meteorological Department

सांस्कृतिक प्रस्तुति

आज भारत अपना 70वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष में, पूरा देश उन्हें रंग-बिरंगी झाँकियों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, जो भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकी पहलुओं का चित्रण करता है और हमारे भौगोलिक सौंदर्य और वास्तु-शिल्पीय धरोहर को भी दिखाता है।

CULTURAL PAGEANT

Today, India celebrates its 70th Republic Day. In the 150th year of birth anniversary of Mahatma Gandhi, the entire nation is paying tribute to him through array of colourful tableaux depicting the social, cultural, economic and technological facets of India and also capturing both the beauty of our landscape and our architectural heritage.



जैविक एवं स्वच्छ सिक्किम कृषि और पर्यावरण संबंधी अहिंसा

सिक्किम की झांकी महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप सिक्किम की 100 प्रतिशत जैविक कृषि और देश के सबसे स्वच्छ राज्य में परिवर्तन को चित्रित करती है।

सिक्किम ने स्थानीय जैविक उपज का समर्थन करके यथार्थ में मुक्ति पाने की दिशा में कड़ी मेहनत की है और कृषि एवं पर्यावरण में अहिंसा का अभ्यास करके मिट्टी और प्रकृति की अखंडता को बचाने के लिए प्रयास किया है। सिक्किम देश का प्रथम निर्मल राज्य है।

झांकी के अग्र भाग में महात्मा गांधी के चश्मे को एक चट्टान पर दर्शाया गया है जो संकेत करता है कि सिक्किम उनके दृष्टिकोण को पत्थर पर तराशे गए शब्दों और मूल्यों की तरह पोषित करता है। चट्टान के पास फूलों के मध्य खड़े बच्चे स्वच्छता और सफाई के सन्देश को फैला रहे हैं। इसके बाद का हिस्सा एक छोटे सन्तरे के पेड़ को चित्रित करता है जिसे यहां सिक्किम को छाया और स्थायित्व देने वाले गांधीवादी ज्ञान के प्रतीक के रूप में प्रयोग को दर्शाया गया है। झांकी के मध्य भाग में प्रचुर भूमि और तेमी चाय बागान को दर्शाया गया है जहाँ स्थानीय कृषक विशेषकर महिलाओं को जैविक कृषि गतिविधियों में व्यस्त हुए देखा जा सकता है। झांकी का पश्च भाग शुद्ध झरने को दर्शाता है जो सिक्किम के स्वच्छ पर्यावरण और तीव्र जैविक विकास की गौरव गाथा है।

—सिक्किम

ORGANIC & SWACCH SIKKIM An Agricultural & Environmental Non-Violence

The tableau of Sikkim portrays the transformation of Sikkim into a 100% organic farming and cleanest state of the country in consonance with Mahatma Gandhi's vision.

Sikkim has tediously worked towards achieving true emancipation by supporting organic local produce and has endeavoured to save the integrity of soil and nature by practicing non-violence in agriculture and environment. Sikkim is the country's first Nirmal Rajya.

The tableau in the front portion depicts the glasses of Mahatma Gandhi on a rock symbolizing that Sikkim nurtures his vision and values his words as words etched on stone. The children standing near the rock are spreading the message of cleanliness and sanitation. The portion after this portrays a Mandarin Orange Tree which is used here as a metaphor of Gandhian wisdom giving Sikkim shade and stability. The middle portion showcases an abundant field and Temi tea garden where local farmers especially women can be seen engaged in organic farming activities. The rear portion depicts fresh waterfall which boasts of Sikkim's clean environment and rapid organic development.

-SIKKIM

भारत छोड़ो आंदोलन

महाराष्ट्र की झांकी भारत छोड़ो आंदोलन के परिणाम और देश भक्ति भरे क्षणों को प्रदर्शित कर रही है। इस आंदोलन का नेतृत्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था।

8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ। आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन की गुलामी से भारत माता की स्वतंत्रता था। यह आंदोलन सविनय अवज्ञा के उद्देश्य से भारत को तत्काल स्वतंत्रता दिलाने के लिए ब्रिटिश शासन के विरुद्ध था।

झांकी के अग्र भाग में महात्मा गांधी अपने चिर परिचित अंदाज में दृढ़ता पूर्वक हाथों से इशारा करते दिखाई दे रहे हैं साथ ही उनके चेहरे पर विनय और सच्चाई का भाव साफ झलक रहा है झांकी के मध्य हिस्से में चरखा चक्राकार घूम रहा है और इसके जरिए वीरता, त्याग, शांति, विश्वास और शिष्टता आदि गांधी जी के स्वतंत्र भारत के सपने को प्रदर्शित कर रहे हैं।

—महाराष्ट्र

13

Quit India Movement

The tableau of Maharashtra shows the scene from Quit India Movement with its magnitude and patriotic momentum. The movement was led by the father of Nation Mahatma Gandhi.

Quit India movement started on 8th August, 1942. The objective of the movement was freedom of mother India from the slavery of British Regime. The movement aimed at Civil disobedience against the British Regime, for immediate freedom of India.

In the front part of the tableau, Gandhiji is standing with his unique pose and firm hand gesture, though his facial expressions exude humbleness and sincerity. In the middle and rear part of the tableau, the Charkha is rotating in circular momentum and the weaves of courage and sacrifice, Peace and truth and faith and chivalry are representing Gandhiji's dream of Independent India.

-MAHARASHTRA





अण्डमान के सेल्यूलर जेल के बंदियों पर गांधीजी का प्रभाव

अण्डमान तथा निकोबार की इस झांकी में अण्डमान के सेल्यूलर जेल के बंदियों पर गांधी जी के प्रभाव को प्रदर्शित किया गया है।

सेल्यूलर जेल के बंदी नागरिक अधिकारों और सभी राजनैतिक बंदियों को बिना-शर्त छोड़े जाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे। दिनांक 28 अगस्त, 1937 को महात्मा गांधी ने अपनी ओर से ही नहीं बल्कि कवि गुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर की ओर से भी अण्डमान के सेल्यूलर जेल में भूख हड़ताल कर रहे बंदियों को यह सलाह देते हुए एक टेलीग्राम भेजा कि भूख हड़ताल छोड़ दें और उन सभी लोगों पर विश्वास रखें जो बंदियों को राहत दिलाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं।

इस झांकी के सामने के भाग में सेल्यूलर जेल तथा जेल अधिकारियों द्वारा बंदियों के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार की एक झलक प्रदर्शित की गई है। इस झांकी के मध्य भाग में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के वर्तमान मनमोहक सौंदर्य, समुद्र के भीतर की गतिविधियों, समुद्री तटों और पर्यटन गतिविधियों को दर्शाया गया है। इस झांकी के पिछले भाग में सेल्यूलर जेल का एक भाग, भूख हड़ताल कर रहे बंदियों और गांधीजी द्वारा टेलीग्राम लिखे जाने के दृश्यों को प्रस्तुत किया गया है। इस झांकी के चारों ओर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सदाबहार वन, समुद्र, वनस्पति एवं जीव जन्तुओं की प्राकृतिक सुन्दरता दर्शायी गई है।

—अण्डमान तथा निकोबार

Gandhiji's Influence on the Inmates of Cellular Jail in Andaman

The tableau of Andaman & Nicobar showcases the effect of Gandhiji on the inmates of Cellular Jail in Andaman.

The inmates of cellular jail went on hunger strike for restoration of civil liberties and unconditional release of all political prisoners. On 28th August, 1937, Mahatma Gandhi sent a Telegram to the prisoners on hunger strike in Cellular Jail, advising them on behalf of not only himself but also of Poet Guru Rabindranath Tagore to abandon the strike and rely upon those who were all trying their best to secure relief for prisoners.

The front portion of the tableau depicts the replica of Cellular Jail and the way inmates were treated by the jail authorities. The middle portion showcases the abundant beauty of present day Andaman & Nicobar Islands, showing the undersea activities, sea beaches and tourism activities. The rear portion depicts a part of Cellular Jail, the inmates on hunger strike and depiction of Gandhiji writing the telegram, content of which is shown there as well. The natural beauty of evergreen forests, sea, flora and fauna of Andaman & Nicobar Islands have been showcased in the side panels of the tableau.

-ANDAMAN & NICOBAR

असम का हथकरघा

प्रस्तुत झांकी में असम के हथकरघा लघु उद्योग को पेश किया गया है। गांधी जी ने असम में हथकरघा के विकास को प्रोत्साहित किया था।

जनवरी 1946 में महात्मा गांधी सुआलकुची, सुनहरे रेशमी हथकरघा की भूमि जिसे पूर्व का मैनचेस्टर के रूप में भी जाना जाता है के दर्शन करवाये थे। बुनकरों की बुनाई कौशल से सम्मोहित होकर महात्मा गांधी ने कहा था "असम की महिलाएं जन्मजात बुनकर होती हैं। वे अपने करघों पर स्वप्न की बुनाई करने में सक्षम हैं।"

इस झांकी के अग्र भाग में असम की महिलाओं के अधिकांश जीवनकाल को कुटीर उद्योग के विकास करने के जरिए उनको रेशमी कपड़े पर मनमोहक कार्य करते हुए प्रस्तुत किया गया है जो कि गांधी जी का सपना था। इस झांकी के मध्य भाग में विशिष्ट असमी "सराय" के बाद "महात्माइ हासी बोले-राम ओ रहीम" जो राष्ट्रीय एकता के लिए एक प्रसिद्ध गाना है, के साथ सत्तरिया नृत्य करते हुए दर्शाया गया है व झांकी के पश्च भाग में असम के ग्राम के विशिष्ट घर को प्रस्तुत किया गया है जिसके बरामदे में महात्मा गांधी की बड़ी मूर्ति को चरखा चलाते हुए पेश किया गया है जो सुआलकुची ग्राम में कुटीर उद्योग के विकास का प्रतीक है। झांकी के निचले भाग में पक्के मकान को दिखाया गया है जिसे "पोकी" - तेजपुर के ज्योतिप्रसाद अग्रवाल का मकान जहां पर गांधी जी 1934 में असम की अपनी तीसरी यात्रा के दौरान ठहरे थे - के रूप में जाना जाता है। एक असमवासी को छप्पर के मकान में विशिष्ट हस्तशिल्प में कार्यरत दर्शाया गया है। झांकी के अन्त में दोनों तरफ असम की विभिन्न हस्तशिल्प वस्तुओं को प्रदर्शित करती हुई खूबसूरत भित्ति है।

—असम

Handloom of Assam

The tableau shows handloom of Assam. Gandhiji inspired the development of the Handloom in Assam.

Mahatma Gandhi's visited Sualkuchi, the land of golden silk handlooms and known as the "Manchester of the East" in January, 1946. Mesmerized by the weaving skills of the weavers Mahatma Gandhi said "Assamese women are born weavers. They can weave dreams in their looms."

The front portion showcases one larger than the life size Assamese woman working on her loom producing mesmerizing silk clothing, thereby bringing in the growth of cottage industry, which was the dream of Gandhiji. The middle portion shows a typical Assamese 'Sarai' followed by Sattriya Dance performed with the song "Mahatmai Hasi Bole-Ram O Rahim" which is a famous song of national integration. The rear portion shows a typical Assam village house, on the verandah of which there is a larger than life size sculpture of Mahatma Gandhi spinning Charkha, symbolizing development of cottage industry in the Sualkuchi village. In the lower part, a concrete house which is known as "Poki"- the house of Jyotiprasad Agarwalla of Tezpur where Gandhiji stayed in 1934 is shown. Also shown is an Assamese working on typical handicrafts in thatch house. The side panel in the end showcase relief mural depicting various handicraft items of Assam.

-ASSAM





गांधीवादी पद्धति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना

त्रिपुरा की झांकी में गांधी जी के सिद्धान्तों से जुड़ी समतावादी, समग्र एवं विविध सामाजिक एवं मानववादी संस्कृति को दर्शाया गया है।

झांकी के अग्र भाग में चरखा एवं बांस को दर्शाया गया है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आत्मनिर्भरता के गांधीवादी सिद्धान्त द्वारा प्रेरित है जिसमें ग्रामीण परिवारों की आजीविका को आर्थिक रूप से सहायता दी जाती है। इसके बाद के भाग में त्रिपुरा सुन्दरी मन्दिर, नीर महल के जल महल, महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य द्वार निर्मित ग्रीष्म आवास, की मोहक एवं प्राकृतिक सुन्दरता को दर्शाया गया है। महल की गुम्बदनुमा मीनारें महल को किले जैसा आभास प्रदान कर रही है। इसके बाद वाले भाग में गांधीवादी विचारों से प्रेरित त्रिपुरा के स्थानीय आदिवासियों के नृत्य को प्रदर्शित किया गया है जिसमें गांधीवादी दर्शन के अनुसार सभी के शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित किए जाने की अभिव्यक्ति है। झांकी के पश्च भाग में सातवीं शताब्दी के पुराने पत्थर से निर्मित उनाकोटी (एक करोड़ से एक कम) की प्रतिमा को दर्शाया गया है।

—त्रिपुरा

Empowering Rural Economy The Gandhian Way

The tableau of Tripura showcases the egalitarian, inclusive and diverse social and ethnic culture linked to the Gandhian principles.

The tableau in the front portion depicts the “CHARKHA” and bamboo. This has been inspired by the Gandhian concept of self sufficiency of the rural economy which supports the families livelihood economically. The portion after this showcases the scenic and natural beauty of Tripura Sundari temple, the water palace of Neer Mahal, the summer residence built by Maharaja Bir Bikram Kishore Manikya. The dome shaped minars of the palace give a fort like look to the mansion. The portion after this shows the dance of the local tribe of the Tripuris inspired by the Gandhian thoughts and ensuring peaceful coexistence of all, as per the Gandhian philosophy. The rear portion depicts the 7th century A.D. old stone carved sculpture of Unakoti (meaning one less than a crore).

-TRIPURA

अनेकता में एकता

गोवा की झांकी, गांधी जी के आदर्शों 'अनेकता में एकता' और 'सर्व धर्म समभाव' का एक आदर्श चित्रण प्रस्तुत करती है जिसने सदियों से एक अद्वितीय सामाजिक ताने-बाने का निर्माण किया है।

झांकी के अगले भाग में एक गांव की लड़की के साथ महात्मा गांधी की तांबे की मूर्ति गरीब और दरिद्रों के प्रति गांधी जी के स्नेह को प्रस्तुत करती है। मध्य और पश्च भाग गोवा के तीन अद्भुत धार्मिक वास्तुकला, एक दीप स्तंभ: जो भारतीय मंदिरों के प्रांगणों में पायी जाने वाली हिन्दु वास्तुकला की एक अद्वितीय रचना है, पोंडा स्थित सोफा मस्जिद जिसका निर्माण 1560 में बीजापुर के आदिलशाह द्वारा कराया गया था, गोवा की सबसे पुरानी मस्जिदों में से एक है और बासिलिका ऑफ बोर्न जीसस जिसे ओल्ड गोवा चर्च के नाम से जाना जाता है, जो युनेस्को अनुमोदित विश्व धरोहर है, को दर्शाया गया है।

गोवा के त्यौहार गोवा के लोगों के जीवन जीने के तरीके को दर्शाते हैं। चाहे वह शिगमों हो, रंगों का त्यौहार अथवा क्रिसमस हो, चाहे संगीत, सांस्कृतिक और लोक साहित्य हो। गोवा, अहिंसा, शांति और सच्चाई का प्रचारक रहा है।

—गोवा

17

Unity in Diversity

Goa's tableau is an ideal depiction of Gandhiji's values- 'Unity in Diversity' and 'Sarv Dharm Samabhaav' which blends perfectly with its people for centuries.

The front portion of the tableau portrays the bronze statue of Mahatma Gandhi with a girl child from village symbolizing his love for the poor and needy and their affection for him. The middle and rear parts show the three religious architectural marvels of Goa-a-Deep'stambha, a unique piece of Hindu architecture found outside the Hindu Temples, the Safa Masjid at Ponda which is one of oldest mosques in Goa built by Adhilshah of Bijapur in 1560 and Basilica of Born Jesus prominently known as Old Goa Church which is a UNESCO approved world heritage site.

Goa's festivals define a Goan's way of life. Be it Shigmo, the festival of colors or Christmas, a model of joy and enthusiasm. Be it music, culture and folklore. Goa is an apostle of non-violence, peace and truth.

-GOA





अंतर्निहित शांति

अरुणाचल प्रदेश, उगते हुए सूरज का प्रदेश, की झांकी स्वच्छ मोंपा ग्राम और उसके शांतिपूर्ण सांस्कृतिक जीवन को चित्रित कर रही है जिसकी महात्मा गांधी ने संकल्पना की थी ।

महात्मा गांधी ने कहा था, "शांति का अपना ही आनंद होता है" और "जब आंतरिक और बाह्य दोनों ही प्रकार की स्वच्छता होती है तो वही परमात्मा के निकट है।" गांधी जी की कहावत को चरितार्थ करते हुए अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले के मोंपा निवासी शांति प्रिय बौद्ध समुदाय है जिन्होंने शांति और स्वच्छता के महत्व पर बल दिया है ।

झांकी का अग्रभाग मोंपा बच्चे को गांधी जी के चरणों में सम्मानस्वरूप पुष्प अर्पित करते हुए प्रस्तुत कर रहा है। झांकी के मध्य भाग में ग्रामवासियों को शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मोंपा बालक एवं बालिकाओं को उनकी पारम्परिक वेशभूषा में मोंपा नृत्य करते हुए प्रस्तुत किया गया है। इस भाग में ग्राम में मुखावरण निर्माण, छटाई निर्माण तथा पारम्परिक चित्रकारी को भी दर्शाया गया है। झांकी के पिछले भाग में मोंपाओं के पारम्परिक घरों, जो पत्थरों से निर्मित होते हैं, और बौद्ध स्तूप जहां पर बौद्ध-भिक्षु शांति पाठ कर रहे हैं, को प्रस्तुत किया गया है।

—अरुणाचल प्रदेश

Peace Within

The tableau of Arunachal Pradesh, the Land of Rising Sun, depicts a clean Monpa village and its peaceful cultural life, which Mahatma Gandhi had envisioned.

Mahatma Gandhi had said, "Peace has its own rewards," and "When there is both inner and outer cleanliness, it approaches godliness". True to Gandhiji's sayings, the Monpas, residing in the West Kameng District of Arunachal Pradesh, are peace loving Buddhist community, who have stressed on the importance of peace and cleanliness.

The tableau in the front part shows a Monpa child showering flowers at the feet of Gandhiji, as a mark of respect. The middle part of the tableau shows the Monpa girls and boys attired in their traditional dress performing Monpa dance and song to encourage the villagers to live peacefully. It also shows mask making, carpet making and traditional paintings in the village. The rear part depicts the traditional house of Monpas which is built of stones and the Buddhist Stupa, where the monks are chanting for peace.

-ARUNACHAL PRADESH

जलियांवाला बाग

जलियांवाला बाग स्वतंत्रता के लिए लोगों द्वारा बहाए गए रक्त, पसीने और उनके परिश्रम तथा उनके द्वारा सामना की गई असंख्य कठिनाइयों का प्रतीक है।

13 अप्रैल, 1919 को ब्रिगेडियर जनरल रेजिनल्ड एडवर्ड हैरी डायर की अगुआई वाली ब्रिटिश सेनाओं ने बाहर निकलने के इकलौते रास्ते को बंद कर दिया और उस जगह एकत्र हुई भीड़ पर गोलीबारी कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि लोगों को गोलीबारी से बचने के लिए परिसर के एकमात्र कुएं में कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस समय के आधिकारिक आंकड़ों में केवल 379 मृतकों की संख्या दिखाई गई जबकि 1650 राउंडों के साथ गोलीबारी के परिणाम पर विचार किया गया, तो मृतकों की वास्तविक संख्या बहुत अधिक थी। जनरल डायर द्वारा किए गए कारगरपूर्ण कार्य ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिन्हित किया क्योंकि इसने महात्मा गांधी को आश्वस्त किया कि आजादी हासिल करने के लिए एक नया दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इस प्रकार, असहयोग आंदोलन शुरू हुआ जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के तेजी से प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

झांकी के अग्र भाग में शहीदों के बलिदान की स्मृति में बने स्मारक को दर्शाया गया है। मध्य और पृष्ठ भाग इधर-उधर भागते लोगों को दिखाते हुए जलियांवाला बाग में हुई दुःखद घटना को जीवंत बना रहा है। साथ ही, एक महत्वपूर्ण भाग सिर्फ उस कुएं को समर्पित है जिसमें कई लोग घातक गोलीबारी से बचने के लिए कूद गए थे।

—पंजाब

19

Jallianwala Bagh

Jallianwala Bagh symbolises the blood, sweat, toil and innumerable hardships suffered by the people for the sake of freedom.

On 13th of April, 1919, the British forces led by Brigadier General Reginald Edward Harry Dyer blocked only exit point and directed firing on the densest section of the crowd gathered at the place. The people were forced to jump into the only well in the premises to escape shooting. The official figures at that time put the number of casualties at only 379 whereas considering the magnitude of firing with 1650 rounds fired, the number of dead was much more. The dastardly act perpetrated by General Dyer marked a significant shift in the freedom movement as it convinced Mahatma Gandhi that a whole new approach to achieve independence is the need of the hour. Thus, followed the Non-cooperation movement which contributed a great deal to the acceleration of freedom movement.

The front portion of the tableau displays, memorial, commemorating the sacrifice of martyrs. The middle and rear portion bring to life the tragic happening at the Jallianwala Bagh with depiction of people running helter-skelter for safety. Also, an important part of the section is the solitary well, where many people jumped to escape murderous shooting.

-PUNJAB





महात्मा गांधी के पहनावे में आया परिवर्तन

इस झांकी में महात्मा गांधी द्वारा तमिलनाडु में मदुरई में 22 सितंबर, 1921 को वेशभूषा में किए गए पूर्ण परिवर्तन को प्रस्तुत किया गया है। 21 सितंबर, 1921 को मद्रास से मदुरई की यात्रा के दौरान उन्होंने किसानों और गरीब लोगों को अपर्याप्त वस्त्रों में खेतों में कार्य करते हुए देखकर दुःखी हुए कि गरीबी की मार झेल रहे उन व्यक्तियों के पास शरीर के ऊपरी भाग को ढकने के लिए कोई वस्त्र नहीं है। उस रात महात्मा गांधी ने निर्णय लिया कि वह साधारण वस्त्र एवं केवल धोती ही धारण करेंगे।

महात्मा गांधी मदुरई में जनसंकुल पश्चिमी मासी स्ट्रीट में 22 सितंबर, 1921 को एक भवन से धोती धारण किए गए पहली बार दिखाई दिए।

इस झांकी के अग्रभाग में महात्मा गांधी को केवल धोती धारण किए हुए, सिर पर पगड़ी तथा साधारण वस्त्र पहने हुए प्रस्तुत किया गया है। इसमें मदुरई के उस भवन को भी प्रदर्शित किया गया है जहां से वह पहली बार अपनी धोती पहने हुए नजर आए थे। झांकी का मध्य भाग साधारण वस्त्रों में महात्मा गांधी को गरीबी से जूझ रहे व्यक्तियों के साथ बातचीत करते हुए प्रस्तुति दे रहा है। प्रदर्शन-मंजूषा के बाद का भाग धोती पहने हुए किसान को बैलों के साथ खेत में हल चलाते हुए प्रस्तुत कर रहा है। झांकी के पश्च भाग में मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मान मंदिर को प्रतीक स्वरूप यह प्रदर्शित करते हुए पेश किया गया है कि परिवर्तन इस मंदिर वाले शहर में ही हुआ था।

—तमिलनाडु

Transformation of Dress Code of Mahatma Gandhi

The tableau showcases the radical change of attire by Mahatma Gandhi which happened on 22nd September, 1921 at Madurai in Tamil Nadu. While travelling from Madras to Madurai on 21st September, 1921, he saw scantily clad peasants and poor people working in the fields and was disturbed to see the poverty-stricken people having no clothes to cover the upper body. That night Mahatma Gandhi decided to shed formal dress and to wear only a loincloth.

Mahatma Gandhi made his first appearance with the loincloth on 22nd September, 1921, from a building in the crowded West Masi Street in Madurai.

The front portion of tableau shows Mahatma Gandhi wearing only a loin cloth shedding his head gear and formal dress. It also shows the building in Madurai, where he made his first appearance in loincloth. The middle portion shows Mahatma Gandhi wearing formal clothes interacting with poorly clad people. Also shown is a peasant in loin cloth ploughing the field with bullocks. The rear of the tableau shows the famous Meenakshiamman Temple of Madurai, symbolically representing that the transformation happened in this temple city.

-TAMIL NADU

ऐतिहासिक दांडी यात्रा

एक मुट्ठी नमक उठाकर अंग्रेज सल्तनत की नींव को झकझोर देने वाली राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक दांडी यात्रा को गुजरात राज्य की झांकी में दिखाया गया है।

जब गुजरात के समुद्र तट के हजारों गरीब परिवारों को रोजी-रोटी देने वाले नमक उत्पाद पर अंग्रेजों ने जबरन टैक्स वसूली का निर्णय लिया तब गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और "कौए कुत्ते की मौत मरुंगा लेकिन बिना स्वतंत्रता प्राप्त किए साबरमती आश्रम में वापस नहीं लौटूंगा" ऐसी भीम प्रतिज्ञा की। दांडी यात्रा का प्रारंभ 12 मार्च 1930 से हुआ। 6 अप्रैल 1930 को गांधीजी ने दांडी पहुंचकर एक मुट्ठी नमक उठाकर सविनय कानून भंग करके स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी।

झांकी के अग्रभाग में महात्मा गांधी की बाल्यकाल की प्रतिमा और पोरबंदर स्थित उनके जन्म स्थान कीर्ति मंदिर को दिखाया गया है। झांकी के पृष्ठ भाग में दांडी यात्रा साबरमती आश्रम से निकल कर दांडी पुल होते हुए समुद्र तट पर पहुंचकर नमक उठाकर सविनय कानून भंग करते हुए गांधीजी को दिखाया गया है। यात्रा शुरू करने से पहले गांधीजी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के साथ विचार विमर्श कर के दांडी यात्रा को अंतिम रूप दिया था। वह ऐतिहासिक पल और दांडी यात्रा की सफलता से आहत हुई अंग्रेज सल्तनत द्वारा गांधीजी को कारागार में बंद करने का दृश्य भी दिखाया गया है।

—गुजरात

21

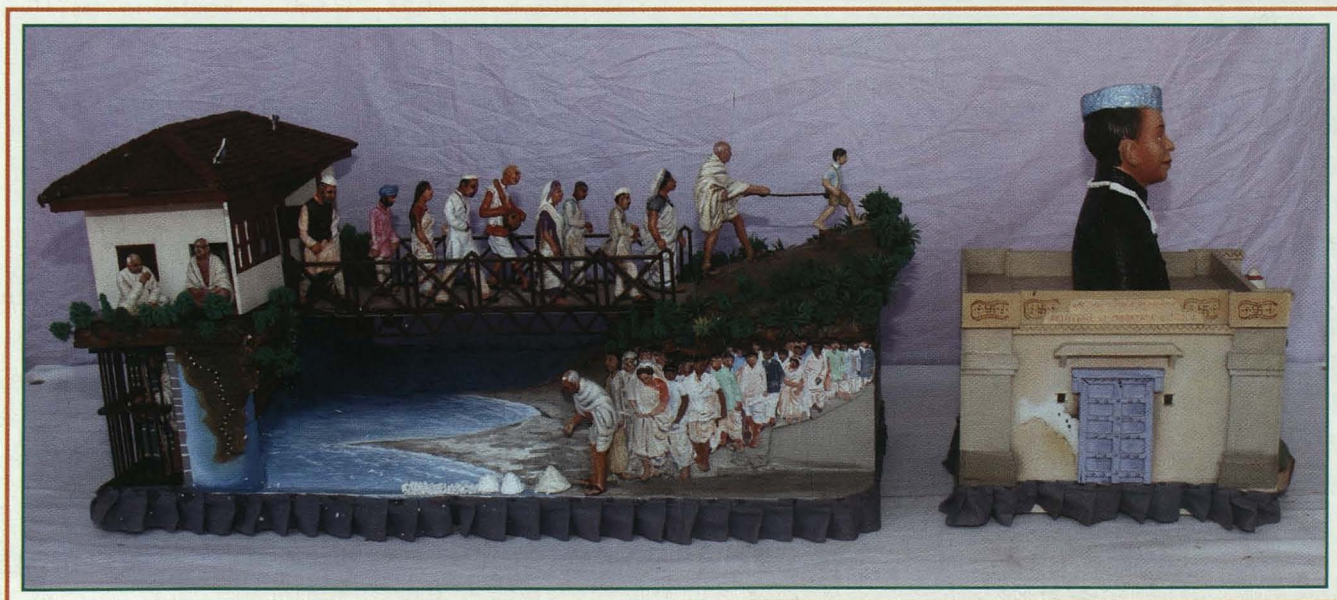
Historical Dandi March

The historical Dandi March which was led by Father of the Nation, Mahatma Gandhi which shook the fate of British Empire by lifting a handful of salt, has been shown in the tableaux of Gujrat State.

When the British decided to forcibly recover the tax on salt production, which was bread and butter for thousands of poor families residing at the coast of Gujarat, it was then that Gandhiji decided to raise a voice against the British and took a resilient vow that "Will get killed like the crows and dogs, but will not return to the Sabarmati Ashram without obtaining independence." Dandi March started on 12 March, 1930.

In the front part of the tableau, a sculpture depicting the childhood and his birth place "Kirti Mandir" which is located at Porbander are shown. In the middle part of tableau, a glimpse of Dandi March starting from historic Sabarmati Ashram and passing through Dandi Bridge breaking the civil law by Gandhiji after reaching the sea coast by lifting the salt have been shown. Prior to the start of Dandi March, Gandhiji had a brief discussion with Sardar Vallabh Bhai Patel and gave Dandi March the final touch. This historic moment alongwith the arrest of Gandhiji and keeping him in jail by the British after the success of Dandi March, has been shown in the rear part of the tableau.

-GUJARAT





गांधीजी की आशा की किरण— हमारी मिली जुली संस्कृति

जम्मू एवं कश्मीर की झांकी इसकी मिश्रित एवं साम्प्रदायिक सौहार्द की प्रकृति की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है जो समय परीक्षित है।

महात्मा गांधी जी को 1947 में कश्मीर में उस समय आशा की किरण नजर आयी जब सारा उपमहाद्वीप सांप्रदायिक हिंसा से ग्रस्त था। उसी वर्ष उन्होंने राज्य का दौरा किया जिसका उन पर चिरस्थायी प्रभाव पड़ा। गांधी जी की शांति, अहिंसा और साम्प्रदायिक सौहार्द की धरोहर ने पूरे राज्य के लोगों को प्रेरित करना जारी रखा।

झांकी के प्रथम भाग में महात्मा गांधी को उनकी कश्मीर यात्रा के दौरान राज्य के लोगों के साथ वार्ता करते हुए दर्शाया गया है। झांकी के द्वितीय भाग में कश्मीर की मस्जिदों, जम्मू के मंदिरों और लद्दाख के मठों को दर्शाया गया है, इस प्रकार इसमें राज्य के पवित्र सांस्कृतिक परिदृश्य को दर्शाया गया है। झांकी में विभिन्न आस्थाओं के व्यक्ति एक दूसरे से पूर्ण सौहार्द के साथ सामूहिक रूप से शांति, प्रगति और विकास की ओर अग्रसर होते दर्शाए गए हैं।

—जम्मू एवं कश्मीर

Gandhiji's Ray of Hope— Our Composite Culture

Tableau of Jammu and Kashmir is a cultural expression of ethos of its composite culture and communal harmony that has withstood test of time.

Mahatma Gandhi saw “a ray of hope” in Kashmir in 1947, when the whole subcontinent was engulfed in communal riots. He visited the state in the same year and left a lasting impression. Gandhiji's legacy of peace, non violence and communal harmony continues to inspire the people of the state across the board.

The first part of the tableau depicts the statue of Mahatma Gandhi in communion with the people of the state during his visit to Kashmir. The second part showcases mosques of Kashmir, temples of Jammu and monasteries of Ladakh, collectively reflecting the sacred cultural landscape of the state. The tableau is shown surrounded by the people of diverse faiths marching together towards their collective destiny of peace, progress and development in complete harmony with one another.

-JAMMU & KASHMIR

गांधीजी और बेलगावी कांग्रेस सत्र

कर्नाटक की झांकी 26 और 27 दिसंबर 1924 को बेलगावी में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के ऐतिहासिक 39 वें सत्र को दिखाती है।

झांकी का सामने वाला हिस्सा विजयनगर शैली में निर्मित विरुपाक्ष मंदिर को 'स्वतंत्रता का मंदिर' शीर्षक के साथ दर्शाया गया है। इस सत्र के लिए विशेष रूप से बनाई गई रेलवे एक ट्रेन के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही है। झांकी के पूरे परिसर का नाम विजयनगर के नाम पर रखा गया है। पहली बार प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति में यहां ध्वजारोहण की शुरुआत हुई। तब तिरंगे झंडे में सफेद, हरा और लाल रंग हुआ करता था। ध्वज के मध्य में चरखे को विशेष स्थान दिया गया ताकि राष्ट्रीय ध्वज की मूल भावना को बेहतर रूप से प्रदर्शित किया जा सके। मध्य और पीछे का हिस्सा महात्मा गांधी को अपना अध्यक्षीय भाषण देते हुए दिखाता है। इसके अलावा, चरखे की भित्ति चित्र, भारतीय ध्वज के विकास के विषय को समृद्ध करने के लिए इसकी सभी विशेषताओं के साथ दिखाया गया है।

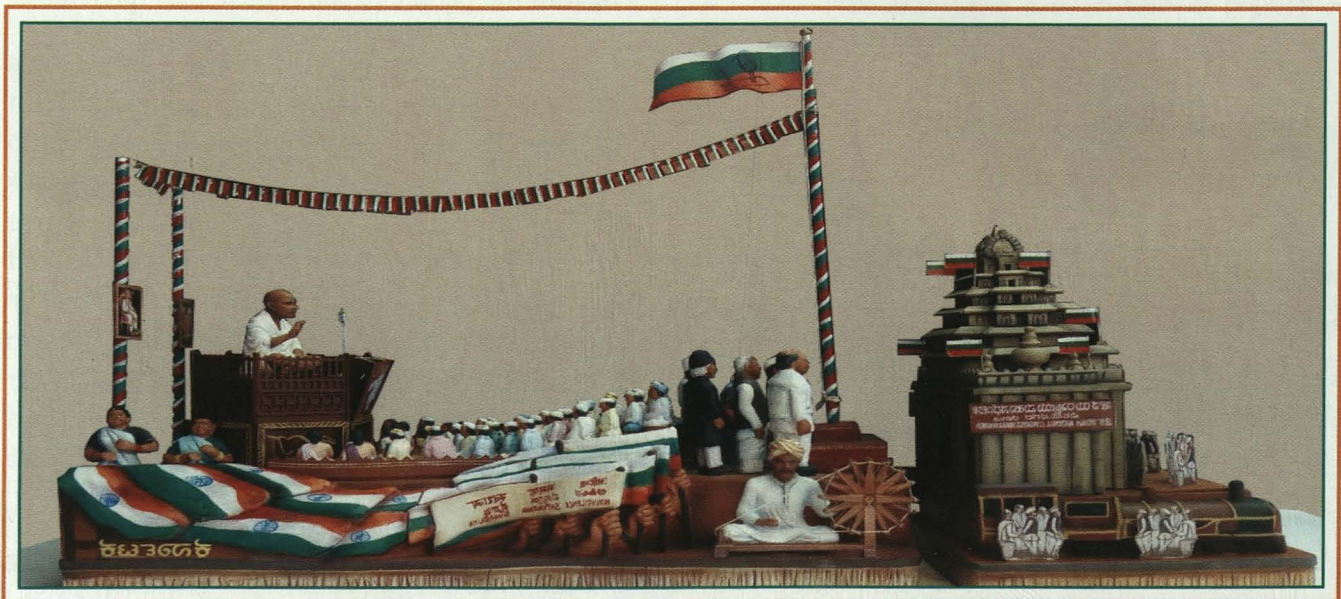
—कर्नाटक

Gandhiji and the Belagavi Congress session

The tableau of Karnataka shows historic 39th session of the Indian National Congress (INC) held at Belagavi on the 26th and 27th December 1924.

The front of the tableau shows Virupaksha temple tower in Vijayanagara style titled "Temple of Freedom". The specially created railway for the session is being represented through a train. The entire premise in the tableau is named after Vijayanagara. The flag ceremony or dhajvandanam was introduced for the first time at the presence of prominent national leaders. The tricolour flag then was white, green and red with charaka at the center, being prominently used to capture the spirit of national flag. The middle and rear parts shows Mahatma Gandhi delivering his presidential address. Besides this, the murals of Charakha, evolution of the Indian flag to enrich the theme of the event with all its characteristics have been shown.

-KARNATAKA





अनासक्ति आश्रम

उत्तराखण्ड में कौसानी, जिसको महात्मा गांधी जी ने “भारत का स्विटजरलैण्ड”, कहा था, में स्थित ‘अनासक्ति आश्रम’ बहुत ही शांतिपूर्ण स्थान है।

महात्मा गांधी जी ने वर्ष 1929 में कौसानी का भ्रमण किया था तथा इसी स्थान पर उन्होंने गीता पर आधारित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ‘अनासक्ति योग’ की प्रस्तावना लिखी थी। इस आश्रम का संचालन गांधी स्मारक निधि द्वारा किया जाता है। इस आश्रम को एक सुन्दर पुस्तकालय, वाचनालय व प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है।

झांकी के अग्रभाग में अनासक्ति योग लिखते हुए महात्मा गांधी जी को दिखाया गया है। मध्य भाग में आश्रम के दोनों ओर दूसरे व्यक्ति जिसमें पर्यटक भी शामिल हैं को योग व अध्ययन करते हुए व पण्डित गोविन्द बल्लभ पंत को महात्मा गांधी जी से, वार्ता करते हुए दिखाया गया है। झांकी के पृष्ठ भाग में देवदार के वृक्ष, स्थानीय नागरिकों व ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं को दिखाया गया है। साइड पैनल में उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत, जागेश्वर धाम, बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मंदिर को दर्शाया गया है।

—उत्तराखण्ड

Anasakti Ashram

Anasakti Ashram is a solitary and beautifully located spiritual centre in Uttarakhand at Kausani which was described by Mahatma Gandhi as “Switzerland of India”.

The Mahatma Gandhi had written introduction of ‘Anasakti Yoga’ book and reviewed it in this Ashram, when he made a trip here in 1929. This Ashram is run by Gandhi Smarak Nidhi. The Ashram has been developed into a beautiful library, reading room and training center.

The front part of tableau shows Mahatma Gandhi writing ‘Anasakti Yoga’. Pandit Govind Ballabh Pant talking to Mahatma Gandhi and other persons including tourists doing yoga & studying are shown in the middle part. The rear part of tableau shows the trees of Deodar, local residents and high peaks of the mountains. The backdrop of the tableau shows Jageshwar Shrine, Badrinath and Kedarnath temples, depicting rich social and cultural heritage of Uttarakhand.

-UTTARAKHAND

दिल्ली से महात्मा गांधी की स्वतंत्रता संघर्ष यात्रा

दिल्ली की झांकी महात्मा गांधीजी के दिल्ली के बिरला हाउस में लम्बे प्रवास पर दर्शायी गई है जिसमें गांधीजी की स्वतंत्र भारत के लिए दिल्ली से सम्बद्ध विभिन्न यात्राओं को दर्शाया गया है।

बापू ने वर्ष 1915 और 1948 के बीच दिल्ली में एक लम्बा समय बिताया। इस दौरान बापू लगभग 80 बार दिल्ली आए और 700 दिनों से भी अधिक समय वे दिल्ली में ठहरे। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम 144 दिन बिरला हाउस में बिताए।

झांकी के अगले भाग में गांधी जी को बिरला हाउस में बैठी हुई मुद्रा में प्रार्थना करते हुए दर्शाया गया है और पृष्ठभूमि में प्रतीकात्मक चरखे को भी दिखाया गया है। झांकी के साइड पैनेलों पर गांधी स्मृति के 'वर्ल्ड पीस गोंग' को दिखाया गया है। झांकी के मध्य भाग में बिरला हाउस के बगीचे में गांधी जी को दैनिक प्रार्थना सभा करते हुए दिखाया गया है जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हुआ करते थे। गांधी जी के अनुयायियों को बिरला हाउस से प्रार्थना स्थल की ओर जाते हुए दिखाया गया है। झांकी के पिछले भाग में बिरला हाउस की सुन्दर व सफेद खिड़कियों की झलक दिखाई गई है। झांकी के साइड पैनेलों पर गांधी जी के दिल्ली प्रवास के दौरान विभिन्न गतिविधियों के चित्रों को भी दिखाया गया है।

—दिल्ली

Mahatma Gandhi's Journey of Freedom Struggle through Delhi

The tableau of Delhi is based on Mahatma Gandhi's long stay in Birla House, Delhi and showcases his multifaceted journey to Independent India, through Delhi.

Bapu spent a long time in Delhi between 1915 and 1948. He visited Delhi nearly eighty times and stayed for more than 700 days of his life in Delhi. His last 144 days of life were spent at Birla House.

The front part of tableau shows Gandhiji seated and praying at Birla House, with symbolic Charkha in the background. The side panels of the tableau represents Gandhi Smriti's World Peace Gong. The middle part of the tableau shows Gandhiji holding his daily Prayer meeting in the lawns of Birla House, which was attended by people from every section of the society. The followers of Gandhiji are shown walking towards the prayer ground from inside the Birla House. The rear part of the tableau shows the serene white expanse and beautiful windows of the Birla House. The side panels of the tableau represent various visuals from Gandhiji's different activities during his stay in Delhi.

-DELHI





गांधी जयन्ती के 150 वर्ष

गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश की झांकी काशी विद्यापीठ के शिलान्यास पत्थर एवं वाराणसी के स्वच्छ घाटों के माध्यम से प्रदेश के विकास को प्रदर्शित करती है। महात्मा गांधी जी द्वारा लिखित पुस्तक "सत्य के मेरे प्रयोग" को भी प्रदर्शित किया गया है।

समूचे भारत के साथ उत्तर प्रदेश गांधी जी की 150वीं जयन्ती का आयोजन पूरे देश के साथ कर रहा है। सांस्कृतिक धरोहरों को बनाए रखते हुए प्रदेश ने तेजी के साथ विकास किया है। विकास के प्रति गांधी जी के सिद्धान्त एवं दर्शन का प्रदेश अनुसरण कर रहा है।

झांकी का अग्रभाग गांधी जी की शिक्षानीति को प्रदर्शित करता है, जबकि झांकी का शेष भाग प्राचीनतम नगरी के पारम्परिक घाटों एवं मंदिरों को प्रदर्शित करता है। कर्मकाण्ड की प्रक्रिया और गंगा की पूजा बौद्ध भिक्षुक, साधु, पण्डितों द्वारा फूलों के साथ की जा रही है। पर्यटकों की उपस्थिति भी झांकी में दर्शायी गयी है। सुसज्जित मंदिरों और भक्तिभाव की समरसता को भी दिखाया गया है।

—उत्तर प्रदेश

150th Birth Anniversary of Gandhiji

On the 150th Birth Anniversary of Gandhiji, the tableau shows development of Uttar Pradesh from laying of foundation stone of Kashi Vidya Peeth to overwhelming visuals of clean Ghaats of Varanasi. The book, 'My Experiments with Truth' written by Mahatma Gandhi, is also shown.

Uttar Pradesh is celebrating 150th Birth Anniversary of Gandhiji along with the entire nation. The state has been developing steadily, while maintaining its cultural heritage. The state is following the principles and philosophy of Gandhiji for development.

The front portion of the tableau shows education policy of Gandhiji whereas the rear part of the tableau shows traditional Ghaats and temples of the most ancient city. The process of Karm-Kand and the worship of the Ganga, being done by Buddhist Monk, Sages & Pandits, with flowers and the presence of tourists have also been shown. Also shown are the decked up temples and the feelings of devotion.

-UTTAR PRADESH

महात्मा गाँधी और बंगाल

पश्चिम बंगाल की झाँकी में महात्मा गाँधी के जीवन के दो प्रमुख पहलुओं को दर्शाया गया है – भारत की आजादी के महत्वपूर्ण क्षणों पर बापू का कोलकाता प्रवास और रबीन्द्रनाथ टैगोर के साथ राष्ट्रपिता का लगाव।

स्वतंत्रता आन्दोलन के इतिहास में गाँधीजी और टैगोर का साँझा योगदान बेहद अहम है। गाँधीजी ने स्वतंत्रता के लिए अहिंसात्मक अभियान अपनाया और इस सिलसिले में कई बार बंगाल का दौरा किया। 15 अगस्त, 1947 को उन्होंने कोलकाता में उपवास और प्रार्थना में दिन बिताया। स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ हफ्तों बाद दंगे शुरू हो गये थे, जिसे रोकने के लिए महात्मा गाँधी ने 73 घंटे का निरंतर उपवास रखा था।

झाँकी के अग्र भाग में गाँधीजी शान्तिनिकेतन की यात्रा के दौरान टैगोर के साथ मिट्टी के घर "श्यामोली" के सामने बैठे हुए दिख रहे हैं। झाँकी के मध्य भाग में आजादी प्राप्त होने के बाद राष्ट्र ध्वजारोहण को चित्रित किया गया है। झाँकी का पिछला भाग यह बिंबित करता है कि दंगाइयों ने अपने हथियार गांधी भवन (तत्कालीन हैदरी मंजिल), कोलकाता में उपवासरत गांधीजी के चरणों में समर्पित कर दिये। झाँकी के साथ टैगोर का गीत "एकला चलो रे" सुनाई दे रहा है, जो गांधीजी का पसंदीदा गीत था।

—पश्चिम बंगाल

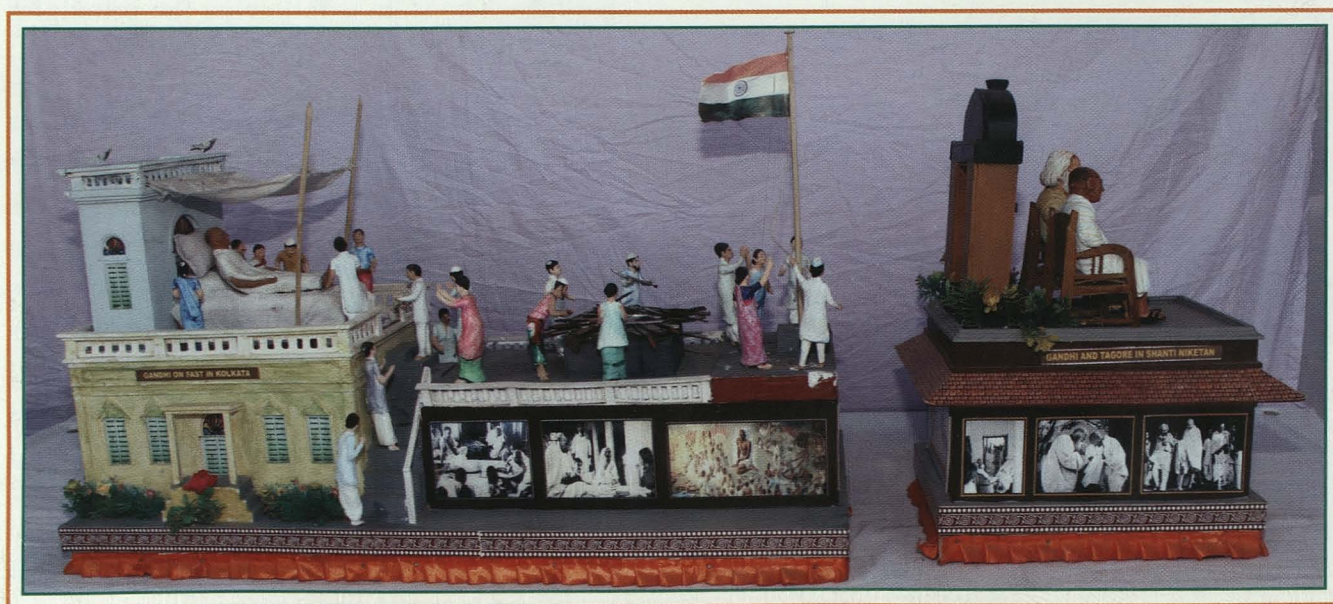
Mahatma Gandhi and Bengal

The West Bengal tableau presents two key facets in the life of Mahatma Gandhi – his stay at Kolkata at the crucial juncture of India's Independence and his bond with Rabindranath Tagore.

Gandhiji and fellow humanist Tagore had a history of shared contribution to the freedom movement. Gandhiji, on his path of non-violent crusade for freedom, visited Bengal many times, and on 15th August, 1947, spent the day in Kolkata, in fasting and prayers. Some weeks later, he undertook a 73 hour fast to quell an outbreak of communal unrest.

The front portion of tableau displays Gandhiji and Tagore sitting in front of "Shyamoli" mud-house in Shantiniketan. The middle part shows the hoisting of tricolour on attainment of independence. The rear part depicts surrendering of arms by rioters before the fasting Mahatma at Gandhi Bhawan (then known as Hydari Manzil) in Kolkata. Gandhiji's favourite song "Ekla Chalo Re" by Rabindranath Tagore is being played in the background.

-WEST BENGAL





सौभाग्य

यह झांकी विद्युत मंत्रालय की प्रमुख योजना "सौभाग्य" को दर्शाती है, जिसने देश के उन लाखों लोगों के घरों और जीवन को रोशन किया है जो अंधेरे में रह रहे थे।

सौभाग्य "प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना" का संक्षिप्त रूप है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण पर केंद्रित है। योजना के शुभारंभ से, देश भर में 2.4 करोड़ से अधिक घरों का विद्युतीकरण किया जा चुका है।

झांकी के सामने का हिस्सा महात्मा गांधी को दर्शाता है, जिनका समाज के सबसे गरीब और कमजोर वर्ग की सेवा करने का मंत्र सौभाग्य योजना का प्रेरणा स्रोत है। मध्य भाग अध्ययन, खाना पकाना, मनोरंजन, सिलाई, बर्तनगिरी, मोबाइल संचार आदि जैसे जीवन के विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से बिजली के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को दर्शाता है। झांकी के दोनों किनारे देश के दुर्गम और चुनौतीपूर्ण इलाकों में किए गए विद्युतीकरण अभियान को प्रदर्शित करते हैं। पीछे का भाग दो हाथों को दर्शाता है जो सभी घरों तक बिजली लाने में की गई कड़ी मेहनत को दिखाते हैं। बल्ब के ऊपर उड़ती हुई तितलियां दिखाई गई हैं जो अंधेरे को दूर करने का अभिप्राय देती हैं।

—विद्युत मंत्रालय

Saubhagya

The Ministry of Power tableau represents the flagship scheme 'Saubhagya', which has lit the homes and lives of millions of people of the country who were living in dark.

Saubhagya stands for 'Sahaj Bijli Har Ghar Yojana'. The scheme focuses on universal household electrification in both rural and urban areas. Since the launch of the scheme, more than 2.4 crore households have been electrified across the country.

The front portion of the tableau shows Mahatma Gandhi, whose talisman of serving poorest and weakest section of society, is the inspiration behind the Saubhagya scheme. The middle portion showcases the socio-economic impact of electricity through various activities of life such as studying, cooking, recreation, tailoring, carpentry, mobile communication etc. The sides of the tableau showcase the electrification drive undertaken across the country in the difficult and challenging terrains. The rear portion shows two hands, signifying the hard work put in bringing the electricity to each door step. The butterflies shown in the fluttering formation on the bulb signify the breaking away from the dark.

—MINISTRY OF POWER

स्वच्छ गांव स्वच्छ भारत

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय की झाँकी में स्वच्छ भारत मिशन की चार वर्षों की शानदार यात्रा का प्रदर्शन किया गया है, जो कि विश्व का सबसे बड़ा व्यवहार परिवर्तन अभियान है।

वर्ष 2014 में अभियान के आरंभ से, जब केवल 38 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों के पास सुरक्षित स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध थीं, एसबीएम ने जन आन्दोलन बन कर इस स्वच्छता कवरेज को 98 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है।

झाँकी के सबसे आगे के हिस्से में, भारत में स्वच्छता के प्रथम चैंपियन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजली स्वरूप दर्शाया गया है। रानी मिस्त्री को दो गड्डे वाला शौचालय बनाते दिखाया गया है। करोड़ों स्कूली बच्चों ने स्वच्छता जागरूकता फैलाने में अप्रतिम सहयोग दिया है। एक लड़की, "साफ नहीं तो माफ नहीं" पेंट कर रही है, यह स्वच्छता के प्रति अटूट भाव को दर्शाता है। बिल्कुल पीछे अन्त में नीचे के ढाँचे पर एक स्वच्छता रथ है जो बड़ी संख्या में एसबीएम की जानकारी को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने वाला वाहक है। सबसे ऊपर ग्राम सभा बैठक हो रही है जहाँ एक ग्रामीण युवती शौचालय उपयोग तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में ग्रामीणों को बता रही है। बीच में एक सामुदायिक शौचालय है जो निजी शौचालयों की सुविधा से रहित व्यक्तियों को सुरक्षित स्वच्छता साधन उपलब्ध कराता है। कई अभियान जैसे स्वच्छता ही सेवा, दरवाजा बन्द, स्वच्छ शक्ति आदि विशिष्ट रूप से दर्शाए गए हैं।

—पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

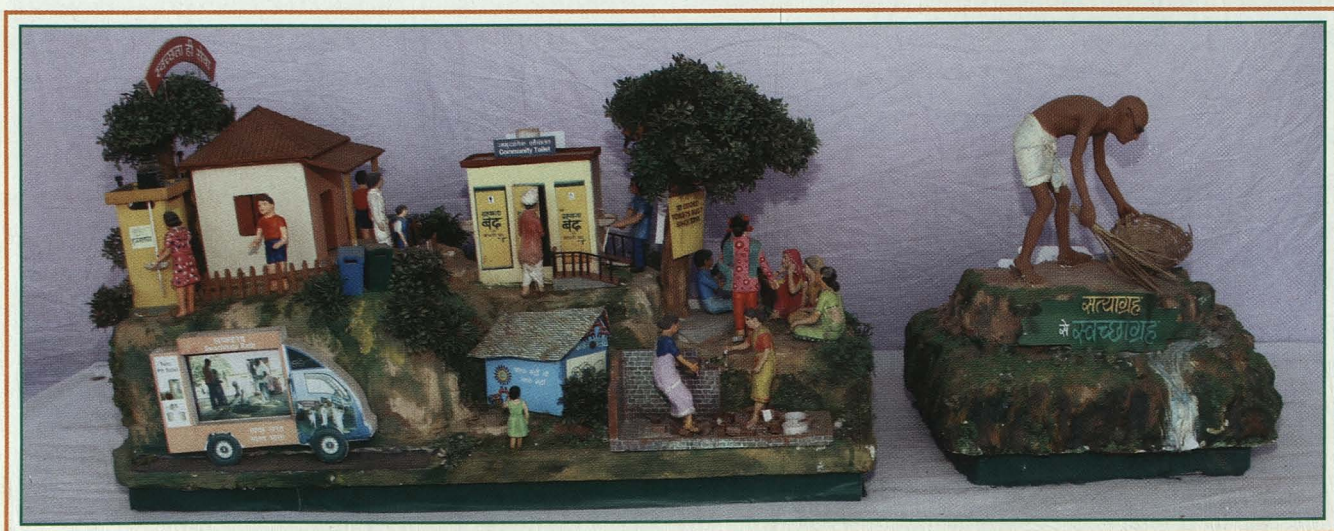
Swachh Gaon Swachh Bharat

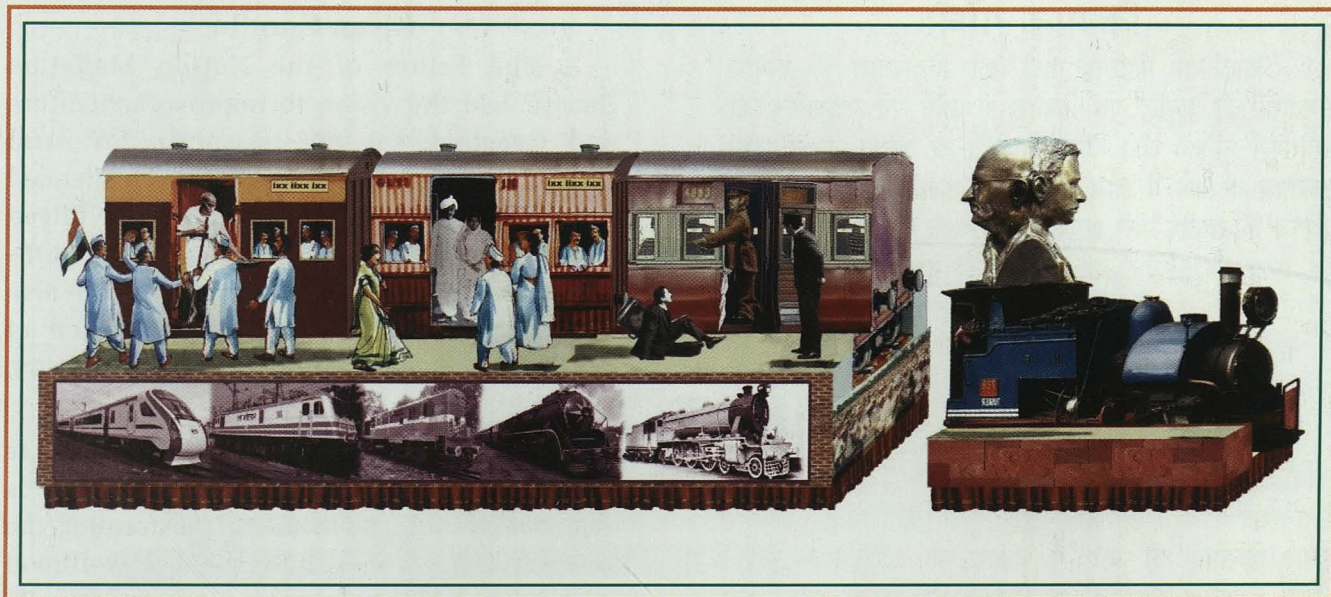
The tableau of Ministry of Drinking Water and Sanitation demonstrates a magnificent four year old journey of Swachh Bharat Mission, the biggest behavior change campaign in the world.

Since its launch in 2014, when only 38 % of rural areas had access to safe sanitation facilities, today SBM propagated in spirit of a jan-andolan have made sanitation coverage at 98%.

Front part of the tableau is a tribute to Mahatma Gandhi, the first champion of sanitation in India. Rani Mistries, female masons are shown as building a twin pit toilet. Crores of school children have taken part in spreading swachhata awareness. A girl painting, साफ़ नहीं तो माफ़ नहीं..., represents this spirit. At the rear end on the lower frame is a Swachhata Rath, a carrier of SBM IEC tools to the remotest hinterland and used widely in Swachh Bharat programmes. On the top is a Gram Sabha meeting where a young village girl is emphasizing on the importance of toilet usage and swachhata. There is a community toilet in the centre providing those without access to individual toilets an access to safe sanitation. Many campaigns like Swachhata Hi Seva, Darwaza Band, Swachh Shakti etc. have also been highlighted.

—MINISTRY OF DRINKING WATER AND SANITATION





मोहन से महात्मा

भारतीय रेल की झांकी में मोहनदास कर्मचन्द गांधी से उनके महात्मा गांधी तक के सफर को दर्शाया गया है।

1893 में दक्षिण अफ्रीका में युवा मोहनदास को पीटरमार्टिजबर्ग रेलवे स्टेशन पर 'केवल यूरोपियन' के कंपार्टमेंट से निकालने की घटना ने उन्हें 'सत्याग्रह' के लिए प्रेरित किया।

इस झांकी के पहले भाग में एक भांप इंजन दिखाया गया है जिसके ऊपर गाँधी जी की एक अर्धप्रतिमा रखी है जो कि जून 2018 में दक्षिण अफ्रीका के पीटरमार्टिजबर्ग रेलवे स्टेशन पर लगाई गई अर्धप्रतिमा के समान है। मध्य भाग के पहले कोच में युवा मोहनदास को दक्षिण अफ्रीका में कंपार्टमेंट से निकालते हुए दिखाया गया है और दूसरे कोच में गांधी जी रेलवे स्टेशन पर कस्तूरबा गांधी जी के साथ अन्य लोगों से मिल रहे हैं क्योंकि 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस आने के बाद गांधी जी ने रेलगाड़ी के तृतीय श्रेणी के कंपार्टमेंट में पूरे भारत का भ्रमण किया। झांकी के पिछले हिस्से में महात्मा गांधी नवंबर 1945 से जनवरी 1946 के बीच बंगाल, असम और दक्षिण भारत में की गई यात्राओं के दौरान 'हरिजन' कोष के लिए चंदा इकट्ठा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। झांकी के साइड पैनल में दिखाया गया है कि किस प्रकार भारतीय रेल ने महात्मा गांधी जी के 'स्वदेशी' विजन को नई दिशा दी है। भाप इंजन के युग से शुरूआत करते हुए, अब भारतीय रेल ने भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' परियोजना के तहत स्वदेशी ढंग से बनाए गए इंजन रहित आधुनिक गाड़ी ट्रेन-18 का निर्माण किया है।

—भारतीय रेल

Mohan To Mahatma

The tableau of Indian Railways depicts the transformation of Mohandas Karamchand Gandhi to Mahatma Gandhi.

The incident in 1893, when the young Mohandas was thrown out of a "Europeans Only" compartment at Pietermaritzburg railway station in South Africa, acted as a catalyst for him to practice 'Satyagraha'.

The front portion of the tableau shows a steam engine, on whose top is perched a bust of Mahatma Gandhi, which is similar to the bust installed in June 2018, at the Pietermaritzburg railway station of South Africa. The first coach of the middle portion shows young Mohandas being thrown out from the compartment in South Africa and the second coach depicts Gandhiji with Kasturba Gandhi meeting people at Railway station, as Gandhiji travelled in 3rd Class compartment across the length and breadth of India by train after his return to India from South Africa in 1915. In the rear portion of the tableau, Mahatma Gandhi is shown collecting donations for the 'Harijan' Fund during his train journeys to Bengal, Assam and South India, carried out between November 1945 to January 1946. The side panel showcases how Indian Railways has spearheaded Mahatma Gandhi's vision of 'SWADESHI', as shown in Indian Railway's journey starting from the era of steam engines to indigenously made and state-of-the-art 'Train-18', an engineless train made under 'Make in India' project of Government of India.

-INDIAN RAILWAYS

किसान गांधी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विचारधारा में ग्रामीण समुदायों की समृद्धि एवं विकास में कृषि एवं पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका थी। जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण उन्होंने दुग्ध उत्पादन के बारे में ज्ञान अर्जन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के बेंगलूर केंद्र पर वर्ष 1927 में 15 दिनों का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया था। गांधी जी ने इंदौर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट इंड्रस्ट्री में वर्ष 1935 में स्वयं जाकर इंदौर विधि से कम्पोस्ट तैयार करने की प्रक्रिया देखी और इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा भी की।

गांधी जी के स्वप्न को पूरा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि का कायाकल्प करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है ताकि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हमारे किसानों की आय में सकारात्मक बढ़ोतरी हो सके। उत्तम वैज्ञानिक तकनीकों के विकास एवं उनको बढ़ावा देने से भारत ने खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली, साथ ही साथ हम विश्व में दूध एवं कपास उत्पादन में शीर्ष स्थान पर हैं।

झांकी के अग्र भाग में बापू जी बकरियों एवं गाय के साथ दिखाए गये हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती तथा दूध उत्पादन में श्वेत तथा कपास क्रांति के साथ-साथ भोजन की गुणवत्ता के विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला को प्रदर्शित किया गया है। झांकी के पिछले भाग में कस्तूरबा गांधी जी को चर्खा कातते एवं पशुओं की सेवा करते बापू कुटी, सेवाग्राम वर्धा में दिखाया गया है। यह झांकी पशुधन आधारित, टिकाऊ एवं जलवायु अनुकूल खेती के महत्व पर प्रकाश डालती है।

—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Kisan Gandhi

The Father of the Nation Mahatma Gandhi had the vision to improve agriculture and livestock for the prosperity of rural communities. To gain more insight, he attended a training program on dairy farming for fifteen days in 1927 at Bangalore Centre of the ICAR - National Dairy Research Institute. He also visited and appreciated the 'Indore method' of composting at the Institute of Plant Industry, Indore in 1935.

In order to realize Gandhi's dream, the Indian Council of Agricultural Research is relentlessly working towards transforming the Indian Agriculture for ensuring livelihood security and higher income of our farmers. By developing and deploying the cutting edge science and technology, India has succeeded in achieving food self-sufficiency and remains the highest milk and cotton producer in the world.

In the front, Bapu is shown with goats and a cow. Organic agriculture, revolution in cotton and milk production and food safety analysis for better health are shown in the middle. In the rear part, Kasturba Gandhi is engaged with Charkha and care of animals at Bapu Kuti at Wardha Ashram. The tableau symbolizes livestock based sustainable and climate resilient agriculture.

-INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH





राष्ट्र की परिसंपत्तियों की रक्षा— 50 गौरवशाली वर्ष

सीआईएसएफ (केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की झांकी सीआईएसएफ की प्रगति, उसके गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र के प्रति इसकी सेवाओं को प्रतिबिंबित करती है क्योंकि बल इस वर्ष अपनी स्थापना का 50वां वर्ष मना रहा है।

झांकी के सामने वाले भाग में सीआईएसएफ द्वारा राष्ट्रपिता, महात्मा की 'समाधि' को प्रदान किए गए सुरक्षा कवर को दर्शाया गया है। मध्य भाग पेट्रो-रसायन संयंत्र, नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र जैसे विभिन्न सरकारी अधिष्ठानों को सीआईएसएफ द्वारा प्रदान की जा रही सुरक्षा को दर्शाता है। सीआईएसएफ कार्मिकों को जांच एवं फ्रिस्किंग करते हुए भी दिखाया गया है। इसके बाद वाले हिस्से में जम्मू और कश्मीर के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में किशनगंगा जलविद्युत परियोजना, लाल किला, अंतरिक्ष संस्थान और भारतीय हवाई अड्डों की सुरक्षा में सीआईएसएफ की तैनाती को दर्शाया गया है। हाथ फैलाए हुए महिला कर्मी इस तथ्य को दर्शाती है कि भारत के सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तुलना में सीआईएसएफ के पास सबसे अधिकतम महिलाकर्मी हैं। विभिन्न वर्दियों में सजग प्रहरी सीआईएसएफ की कार्यप्रणालियों के विविध क्षेत्रों को दर्शाते हैं। सीआईएसएफ श्वान दस्ते को झांकी के साथ चलते हुए देखा जा सकता है।

—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
(सीआईएसएफ)

Securing National Assets – 50 Glorious Years

The tableau epitomises the growth, glory and services of CISF to the nation, as force celebrating 50th year of its foundation this year.

The front portion of the tableau depicts the CISF security cover to the 'Samadhi' of the Mahatma, father of the nation. The middle portion shows CISF providing security to various Govt. installations like Petrochemical Plant, Nuclear Power Plant. Also shown are CISF personnel doing checking and frisking. The portion after this, shows CISF security to Kisanganga Hydro Electric Project in hilly terrain of J&K, Lal Kila, Space installations and Indian airports. The presence of female soldier with outstretched hands highlights the fact that CISF has the largest percentage of women personnel among all the Central Armed Police Forces of India. The live elements in different uniforms highlight the diverse areas of CISF functioning. The CISF Canine squad can be seen as walking element alongside the tableau.

-CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
(CISF)

वंदे मातरम्

स्वतंत्रता आंदोलन का नारा वंदे मातरम् राष्ट्रीय भावना का प्रतिनिधित्व करता है। महात्मा गांधी हमारे स्वतंत्रता संग्राम में सबसे आगे थे। बुद्धिमान, साहसी, बहादुर, मजबूत, सौम्य और जन्मजात नेता गांधीजी को अहिंसा में बहुत विश्वास था।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग उद्यान, महात्मा गांधी द्वारा अहिंसक संघर्ष का प्रदर्शन कर रही है, जो भारत की स्वतंत्रता का कारण है।

इस झांकी को उनके प्राकृतिक रंगों में फूलों से तैयार किया गया है। झांकी का उद्देश्य प्राकृतिक फूलों का उपयोग करके एक अत्यंत आकर्षक मनभावन अनुभव कराना है। झांकी का अगला हिस्सा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नेता गांधीजी को दर्शाता है। मध्य भाग गांधीजी के अहिंसक अनुयायियों को दर्शाता है। पीछे का भाग गांधी जी द्वारा विश्व शांति और एकता के लिए संदेश दिखाता है।

—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

Vande Mataram

Vande Mataram, the slogan of freedom movement, represents the national spirit. Mahatma Gandhi was in the forefront of our freedom struggle. Wise, courageous, brave, bold, gentle and a born leader Gandhiji had great faith in non-violence.

On Mahatma Gandhi's 150th Birth anniversary, CPWD Horticulture is showcasing the non-violent struggle by Mahatma Gandhi, which led to freedom of India.

This tableau has been crafted in flowers in their natural colours. The tableau is intended to make an extremely eye pleasing experience by using natural flowers. The front part of the tableau shows Gandhiji, the leader of the Indian independence movement. The middle part shows non-violent followers of Gandhiji. The rear part shows message by Gandhiji for world peace and unity.

—CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT



34

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2019
Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2019

क्र.सं. S.No.	नाम Name	राज्य State
नवरचना Innovation		
1	मास्टर मोहम्मद सुहेल चिन्या सलीमपाशा Master Mohammed Suhail Chinya Salimpasha	कर्नाटक Karnataka
2	कुमारी अरुणिमा सेन Kumari Arunima Sen	कर्नाटक Karnataka
3	मास्टर अस्वत सूर्यनारायणन Master Aswath Suryanarayanan	तमिलनाडू Tamil Nadu
4	मास्टर नैसर्गिक लंका Master Naisargik Lenka	उड़ीसा Odisha
5	मास्टर ए यु नचिकेत कुमार Master A U Nachiketh Kumar	कर्नाटक Karnataka
6	मास्टर माधव लवकरे Master Madhav Lavakare	दिल्ली Delhi
समाज सेवा Social Service		
7	मास्टर आर्यमान लखोटिया Master Aryamaan Lakhotia	पश्चिम बंगाल West Bengal
8	कुमारी प्रत्यक्षा बी आर Kumari Prathyaksha B R	कर्नाटक Karnataka
9	कुमारी ईहा दीक्षित Kumari Eiha Dixit	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
शैक्षिक Scholastic		
10	मास्टर आयुष्मान त्रिपाठी Master Ayushman Tripathy	उड़ीसा Odisha
11	कुमारी मेघा बोस Kumari Megha Bose	राजस्थान Rajasthan
12	मास्टर निशांत धनखड़ Master Nishant Dhankhar	दिल्ली Delhi

Contd....

35

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2019
Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2019

क्र.सं. नाम
S.No. Name

राज्य
State

कला एवं संस्कृति
Art & Culture

13	मास्टर राम. एम Master Raam M	तमिलनाडू Tamil Nadu
14	मास्टर देव दुष्यंतकुमार जोशी Master Dev Dushyantkumar Joshi	गुजरात Gujarat
15	मास्टर विनायक एम Master Vinayaka M	कर्नाटक Karnataka
16	मास्टर आर्यमन अग्रवाल Master Aryaman Agarwal	पश्चिम बंगाल West Bengal
17	मास्टर तृप्तराज अतुल पंड्या Master Truptraj Atul Pandya	महाराष्ट्र Maharashtra

खेल-कूद
Sports

18	कुमारी शिवांगी Kumari Shivangi	हरियाणा Haryana
19	मास्टर प्रगणानांधार Master R- Praggnanandhaa	तमिलनाडू Tamil Nadu
20	मास्टर एसाव Master Esow	अंडमान एवं निकोबार दीप Andaman & Nicobar Island
21	मास्टर प्रियं तातेड Master Priyam Tated	आंध्र-प्रदेश Andhra Pradesh
22	मास्टर अनीश Master Anish	हरियाणा Haryana
23	कुमारी एंजल विजय देवकुले Kumari Angel Vijay Deokule	महाराष्ट्र Maharashtra

वीरता
Bravery

24	मास्टर कार्तिक कुमार गोयल Master Kartik Kumar Goyal	मध्य-प्रदेश Madhya Pradesh
25	कुमारी अद्रिका गोयल Kumari Adrika Goyal	मध्य-प्रदेश Madhya Pradesh
26	मास्टर निखिल जितुरी Master Nikhil Jituri	कर्नाटक Karnataka

बच्चों की प्रस्तुति

बापू महान

"जय घोष" दिव्यात्मा महात्मा गांधी के सिद्धान्तों में विश्वास और भरोसे का द्योतक है, जिन्होंने अहिंसा, मानवता एवं सत्य के मार्ग का अनुसरण करते हुए हमारे समक्ष अद्वितीय जीवन पथ को प्रस्तुत किया है। महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ पर समूचा विश्व उनकी विचारधारा को समारोह के रूप में मना रहा है।

युग पुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चाणक्यपुरी, दिल्ली के 170 विद्यार्थी बापू द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहे हैं और महान व्यक्तित्व द्वारा बताए गए मूल्यों का पालन कर रहे हैं। ये विद्यार्थी "बापू महान" पर अपने नृत्य के जरिए जय घोष, राम भजन, मूल्यों एवं वैष्णव के प्रतीक का गुणगान कर रहे हैं।

—नेवी चिल्ड्रन स्कूल,
सत्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली

बापू का सपना

गांधी जी ने स्वतंत्र भारत के लिए अनेक सपने संजोए थे—जिनमें से सबसे सारगर्भित था सत्य और अहिंसा पर आधारित समाज। मन, शरीर एवं आत्मा की शुद्धता ही उनके जीवन दर्शन का सार था। युवा बच्चे हमारे महान राष्ट्र के नागरिक राष्ट्रपिता के सपनों को पूरा करने का प्रयास करेंगे और समाज के उत्तरदायी सदस्य बनेंगे। पूर्व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता की ओर से किलकारी बाल भवन, बिहार के 152 बच्चे अपने गान "बापू का भारत" के माध्यम से अपने जीवन में स्वच्छता की महत्ता पर बल दे रहे हैं और उसे प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं।

—पूर्व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र,
कोलकाता

Children's Pageant

Bapu Mahan

"Jai Ghosh"- an acclamation of faith and assurance in the principles of the divine soul, Mahatma Gandhi, who by following the path of Non- violence, Humanity and Truth led us to a unique path of life. The ideology of Mahatma is being celebrated globally on his 150th birth anniversary.

Paying reverence to the Man of the Millennium, 170 students of Navy Children School, Chanakyapuri, Delhi, stride on the path shown by Bapu and imbibe the values inculcated by the great soul. The students present the enchanting Jai Ghosh, Ram bhajan, values & attributes of Vaishnava, through their performance of dance on "BAPU MAHAN".

—NAVY CHILDREN SCHOOL,
SATYA MARG, CHANKYAPURI, NEW DELHI

Bapu Ka Sapna

Gandhiji had many dreams for a free India - the most significant of which was a society based on Truth and Non-Violence. Purity of mind, body and soul was the essence of his life's philosophy. The young children, the future citizens of our great country would like to carry forward the dreams of the Father of the Nation and become responsible members of society. Through their song 'Bapu Ka Bharat', 152 children of Kilkari Bal Bhawan, Bihar from the Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata emphasize upon the importance of Swachhata in their lives and how they plan to achieve it.

—EASTERN ZONAL CULTURAL CENTRE,
KOLKATA

बच्चों की प्रस्तुति

अहिंसा

अहिंसा का अर्थ केवल बाहरी शारीरिक हिंसा से बचना नहीं है, बल्कि हमारी आत्मा में आक्रामकता को दूर करना भी है। यह सिर्फ एक दृष्टिकोण नहीं है बल्कि जीवन का एक तरीका है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दृढ़ता से माना कि अहिंसा मनुष्य का सर्वोच्च कर्तव्य है और हमें इसकी भावना को समझने की कोशिश करनी चाहिए और सभी प्रकार की हिंसा से बचना चाहिए। हम गांधीजी के अहिंसा के मार्ग पर चलकर अपनी स्वतंत्रता जीतने में सफल रहे। राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, किशन गंज, दिल्ली के जीवंत छात्र अपने नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से शांति और सद्भाव का संदेश फैला रहे हैं।

—राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय,
नई बस्ती, किशन गंज, नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

‘सत्यमेव जयते’ (सत्य की हमेशा जीत होती है) और ‘अहिंसा’ गांधीवादी विचार और दर्शन के दो मूलभूत सिद्धान्त हैं। गांधी जी हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महान प्रणेता थे और उपनिवेशवाद से भारत को स्वतंत्र कराने में उनका पूरा योगदान था। उन्होंने स्वच्छ, समृद्ध तथा विकसित भारत का सपना देखा था और उसका पालन करने के लिए हमारे समक्ष महान विचार एवं उच्च सिद्धान्त प्रतिपादित किए। उनके पदचिन्हों और महान विचारों का अनुसरण करते हुए भारत अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। गांधी जी ने राम राज्य का सपना देखा था और उक्त को साकार करने के लिए अपना पूरा प्रयास किया था। महात्मा गांधी की 150वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में केन्द्रीय विद्यालय पश्चिम विहार के 150 विद्यार्थी अपने मनमोहक नृत्य के माध्यम से बापू की विचारधारा को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

—केन्द्रीय विद्यालय, पश्चिम विहार,
नई दिल्ली

Children's Pageant

Ahimsa

Ahimsa means avoiding not only external physical violence but also removing the aggression in our spirit. It is not just an attitude but a way of life. The father of our nation, Mahatma Gandhi strongly believed that Ahimsa is a human being's highest duty and we must try to comprehend its spirit and consciously refrain from all forms of violence. We managed to win our freedom by following Gandhiji's path of non-violence. The vibrant students of Rajkiya Pratibha Vikas Vidyalaya, Kishan Ganj, Delhi, are spreading the message of peace and harmony through their dance performance.

—RAJKIYA PRATIBHA VIKAS VIDYALAYA,
NAI BASTI, KISHAN GANJ, NEW DELHI

Satyamev Jayte

‘Satyameva Jayate’ (truth always triumphs) and ‘Ahimsa’ (Non-violence), are twin cardinal principles of Gandhian thought and philosophy. Gandhiji dreamt of clean, prosperous and developed India and laid the noble ideals and high principles, for us to follow. Following his footprints and high ideals, India is progressing leaps and bounds. Gandhiji dreamt of Ram Rajya and put his efforts for the same. In 150th birth anniversary year of Mahatma Gandhi, 140 children of Kendriya Vidyalaya, Paschim Vihar are paying homage to Bapu's ideology through their scintillating dance performance.

—KENDRIYA VIDYALAYA, PASCHIM VIHAR,
NEW DELHI

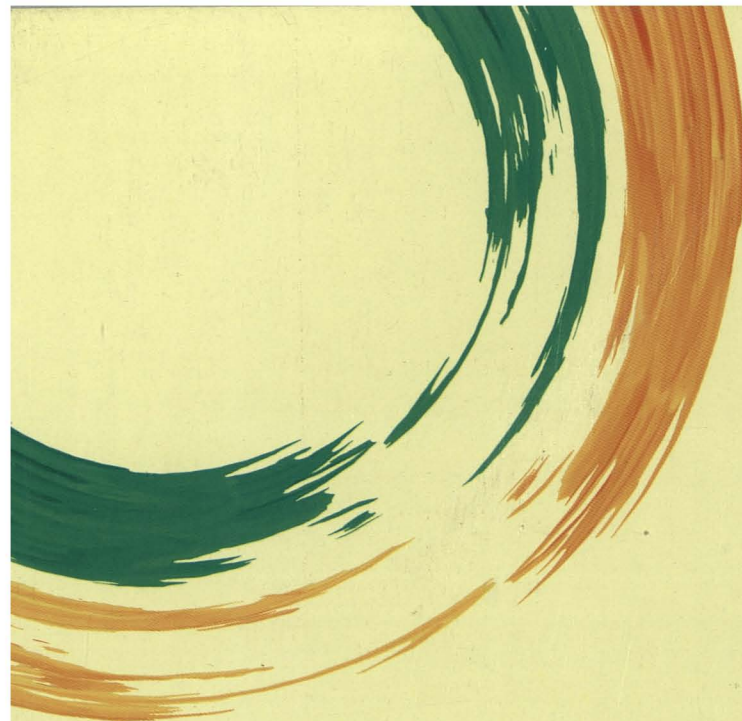
38

धन्यवाद

Thank You

39

Printed by : All Time Offset Printers
F-406, Sector-63, NOIDA - 201 307
Tel.: +91 120 425 4983 | 98101 10914 | 99717 99804
E-mail : info@alltimeoffset.com | www.alltimeoffset.com



40

